



भारत का सञ्चयत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 128] नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 9, 1980/वैशाख 19, 1902
No. 128] NEW DELHI, FRIDAY, MAY 9, 1980/VAISAKHA 19, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 मई, 1980

सा. का. नि. 255(अ).—महापत्तन न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 3 की उपधारा (6) के साथ पठित इसी अधिनियम की इसी धारा की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के उपखण्ड (1), द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार श्री आर. बी. खरगते को मामूंगाओ पत्तन के न्यासी मंडल के अधिकारियों के कल्याण या उनके हितों का संवर्धन करने के लिए गठित एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व करने के लिए मामूंगाओ पत्तन के न्यासी मंडल में न्यासी के रूप में नियुक्त करती है और भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 165(अ), दिनांक 31 मार्च, 1980 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या 15 के बाद निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि जोड़ी जाय अर्थात् :—

“16. श्री आर. वी. खरंगते—

मंडल के अधिकारियों के हितों या कल्याण का संवर्धन करने के लिए गठित एसोसिएशन के प्रतिनिधि।”

[फा. संख्या-पी डब्ल्यू/पी टी बी-10/79]

दिनेश कुमार जैन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th May, 1980

G.S.R. 255(E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (1) of clause (c) of sub-section (1) of section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), read with sub-section (6) of the said section, the Central Government hereby appoints Shri R. V. Kharangate, representing the Association formed for the purpose of promoting the interests of welfare of officers of the Board, as Trustee, on the Board of Trustees of the Port of Mormugao, and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 165(E), dated the 31st March, 1980, namely :—

In the said notification, after Serial Number 15, the following Serial Number and entry shall be inserted, namely :—

“16. Shri R. V. Kharangate—Representing the Association formed for the purpose of promoting the interests or welfare of officers of the Board”.

[F. No. PW/PTB-10/79]

D. K. JAIN, Jt. Secy.